



DR. (PROF.) MANGALSINGH HAZOWARY

Dr. (Prof.) Mangalsingh Hazowary is widely recognized across the world for his role pioneering the Bodo Language and Literature along with traditional Bathou Religion that laid the foundation for the development of the Bodo language and culture. Besides he participates in the national and international seminar in connection with education and literature throughout the world. He is the retired Principal of Govt. college of Teacher Education, Kokrajhar under Bodoland Territorial Region, in the state of Assam and serving as the adviser of Bodo Writers' Academy, Recognised by Sahitya Akademy and National Book Trust of India, Adviser of Dularai Boro Somaj and Adviser of All Bathou Mohasobha (an International Religious Organization).

2. Born on 2nd March, 1954, Dr. (Prof.) Hazowary received his Bachelor of Arts degree from the university of Gauhati in 1975 and Bachelor of Teaching in 1977 and Master of Arts respectively from Gauhati University. He served as the President of Advisory Board of Gauhati University, Kokrajhar campus since 2003 to 2014 also served as an question paper setter and examiner (Bodo) U.P.S.C. since 2003 to 2014. Moreover he served as a lecturer at Kokrajhar Girls' College, Kokrajhar Commerce College and Kokrajhar Govt. College, Kokrajhar as Guest Professor. He served as executive council member of Gauhati University since 2001 to 2014 along with the member of Bodo Cultural Studies, Affiliation Committee and Academic Council, Bodoland University since 1999 to onward.

3. Dr. (Prof.) Hazowary served as Lecturer and Professor respectively at Govt. College of Teacher Education, Kokrajhar since 1984 to 2000 and served as Principal of the same till 2014. He was involved with the academics activities along with examinations of Board of Secondary Education, Assam and Assam Higher Secondary Education, since 1984 to 2014 and onwards.

4. Dr. (Prof.) Hazowary has publication of several books to his credit which include text books, reference books and ancillary books for school, college and university like on Poetry 21 books, Essays 8 books, short story 5 books, Criticism 7 books, 9 Biographies, 11 Full length dramas, 15 One Act Play and 5 Novels. He has also edited and compiled several Magazine, Journal, Souvenir etc.

5. Dr. (Prof.) Hazowary is the recipient of numerous awards and honours. He was conferred honorary doctorate degree (Ph.D) by Gauhati University and Doctor of Literature (D.Lit.) by Colombo University, Sri Lanka. He received the Jewel of India Award from International Institute of Education and Management, New Delhi, Lifetime Achievement Award from All India Achievement Conference, New Delhi, Rajiv Gandhi Award for Human Excellence, Jawaharal Nehru Award, Mother Teresa International Award, Assam Ratan Award. Indira Gandhi Excellence Award from International Institute of Education and Management, Asia Pacific International Award, Kohinoor of India 2005, Rastriya Sanmman Puruskar – 2007, Best Educationalist Award-2007, Global Achievement Award-2010, International Intellectual Development Award-2011, International Kohinoor Award-2011 etc.



डॉ. (प्रो.) मंगलसिंह हाज'वारि

डॉ. (प्रो.) मंगलसिंह हाज'वारि पारंपरिक बाथोउ धर्म के साथ साथ बोडो भाषा और साहित्य के प्रचार प्रसार में अपनी रचनात्मक भूमिका के लिए विश्व भर में जाने जाते हैं। इससे विदेशों में बोडो भाषा और संस्कृति के विकास की नींव पड़ी। इसके साथ-साथ वह विश्व भर में शिक्षा और साहित्य से सम्बन्धित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेते हैं। वह असम राज्य के बोडोलैंड प्रांतीय क्षेत्र के तहत कोकराझार के राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य हैं और साहित्य अकादमी और भारतीय राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा मान्यता प्राप्त बोडो लेखक अकादमी के सलाहकार, दुलाराई बोरो समाज के सलाहकार और ऑल बाथोउ महासभा (अंतरराष्ट्रीय धार्मिक संगठन) के सलाहकार हैं।

2. 2 मार्च, 1954, को जन्मे डॉ. (प्रो.) हाज'वारि ने वर्ष 1975 में गुवाहाटी विश्वविद्यालय से कला स्नातक की डिग्री और वर्ष 1977 में अध्यापन में स्नातक और कला में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। वह वर्ष 2003 से 2014 तक गुवाहाटी विश्वविद्यालय, कोकराझार परिसर के सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष रहे और उन्होंने वर्ष 2003 से वर्ष 2014 तक संघ लोक सेवा आयोग के प्रश्न पत्र निर्माता और परीक्षक (बोडो भाषा) के रूप में भी कार्य किया। इसके अलावा, उन्होंने कोकराझार महिला महाविद्यालय, कोकराझार वाणिज्य महाविद्यालय में लेक्चरर और कोकराझार राजकीय महाविद्यालय, कोकराझार में गेस्ट प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। उन्होंने वर्ष 1999 के बाद से बोडो लैंड विश्वविद्यालय के बोडो सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र, एफिलिएशन समिति और शैक्षिक परिषद के सदस्य रहने के साथ-साथ वर्ष 2001 से 2014 तक गुवाहाटी विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है।

3. डॉ. (प्रो.) हाज'वारि ने वर्ष 1984 से 2000 तक राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, कोकराझार में लेक्चरर और प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की और वह उसी महाविद्यालय में वर्ष 2014 तक प्रधानाचार्य रहे। वह वर्ष 1984 से वर्ष 2014 तक और उसके बाद भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, असम और असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में शैक्षिक और परीक्षा संबंधी गतिविधियों में भी शामिल रहे।

4. डॉ. (प्रो.) हाज'वारि विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय स्तर की पाठ्यपुस्तक, संदर्भ पुस्तक और सहायक पुस्तकों सहित कई पुस्तकों के लेखक रहे हैं जिनमें कविता की 21 पुस्तक, निबंध की 8 पुस्तक, लघु कहानियों की 5 पुस्तक, समालोचना की 7 पुस्तक, 9 जीवनियाँ, 11 पूर्ण आकार के नाटक, 15 एकांकी और 5 उपन्यास शामिल हैं। उन्होंने कई पत्रिकाओं, जर्नलों, स्मारिकाओं आदि का सम्पादन और संकलन किया है।

5. डॉ. (प्रो.) हाज'वारि को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। उन्हें गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि (पीएच.डी) और कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा डॉक्टरेट ऑफ लिटरेचर (डी.लिट) की मानद उपाधि प्रदान की गई है। उन्हें इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली द्वारा ज्यूल ऑफ इंडिया पुरस्कार, ऑल इंडिया अचीवमेंट कॉन्फ्रेंस, नई दिल्ली द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड, राजीव गांधी अवार्ड फॉर ह्यूमन एक्सीलेन्स, जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार, मदर टेरेसा इंटरनेशनल अवार्ड, असम रत्न अवार्ड, इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट की ओर से इन्दिरा गांधी इंटरनेशनल अवार्ड, कोहिनूर ऑफ इंडिया-2005, राष्ट्रीय सम्मान पुरस्कार-2007, बेस्ट एजुकेशनलिस्ट अवार्ड-2007, ग्लोबल अचीवमेंट अवार्ड-2010, इंटरनेशनल इंटेलेक्चुअल डेवलपमेंट अवार्ड 2011, इंटरनेशनल कोहिनूर अवार्ड -2011 आदि से सम्मानित किया गया है।